I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. आज-कल लोगों में त्योहारों के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव का बढ़ता जा रहा है इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
2. किसी 'पुस्तक की आत्मकथा' लिखें।

अभियान में सहयोग देने के लिए कोई तीन कार्य करने के लिए कहा जाए तो आप किन कार्यो को करना पसन्द करेंगे तथा क्यों? अपने विचारों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : -
   'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।'
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।
2. रुपये मँगवाने के लिए पिताजी को पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बंदर झाड़ियों के अंदर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घंटा बजाते।

घंटे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफवाह फैल गयी के जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकडियाँ न लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हजारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगंबर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया। इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत-प्रेत, चंडी-मुंडी, पीर-पैगंबर, जादू-टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता

था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ में घंटा न पड़ गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा। अंदर जाकर देखा, तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, "भाइयो ! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।" नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकटठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने में लगे, उधर उसने घंटा उठा कर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बड़ा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोडा़। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम मे पड़कर मनुष्य ने भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है। मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अत: यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

1. नगर में क्या अफवाह फैल गई थी और इस अफवाह का क्या कारण था?
2. जंगल किसकी राजधानी बन गया था? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पडा?
3. राजा की चिंता का क्या कारण था? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए?
4. चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई?
5. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली?

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - कुल
   - वर्ष

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - आँख
   - गृह

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - उपकार
   - कृतज्ञ

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - ईमान
   - अहं

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   मन नहीं लगना, राहत की साँस लेना

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]
   1. पढ़ने-लिखने में अमर इतना तेज नहीं था। (तेज के स्थान पर मंदबुद्धि का प्रयोग कीजिए)
   2. अब बच्चे घर पहुँचे। (वचन बदलिए)
   3. कल आप कहाँ गया था। (वाक्य शुद्ध कीजिए)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पहले तो रसीला छिपाता रहा।फिर रमजान ने कहा, "कोई बात नहीं है,तो खाओ सौगंध।"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. उपर्युक्त वाक्य के वक्ता तथा श्रोता का परिचय दें। [2]
2. वक्ता श्रोता को सौगंध खाने के लिए क्यों कहता है? [2]
3. श्रोता की उदासी का कारण क्या था? [3]
4. वक्ता ने श्रोता की परेशानी का क्या हल सुझाया? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions thatfollow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"लेकिन भाई ! एक बात समझ नहीं आई।" हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, "नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?"

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से क्या तात्पर्य है? [2]
2. मूर्तिकार कौन था और उसने मूर्ति का चश्मा क्यों नहीं बनाया था? [2]
3. कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। [3]
4. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अजी ये पहाड़ी बड़े शैतान होते हैं। बच्चे-बच्चे में अवगुण छिपे रहते हैं-आप भी क्या अजीब हैं उठा लाए कहीं से-लो जी यह नौकर लो।"

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. उपर्युक्त अवतरण में किस की बात की जा रही है? [2]
2. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]
3. लेखक उस बच्चे को वकील साहब के पास क्यों ले गए? [3]
4. वकील साहब उस बच्चे को नौकर क्यों नहीं रखना चाहते थे? [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जाके प्रिय न राम वैदेही

तजिए ताहि कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही।

सो छोड़िये

तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषन बंधु, भरत महतारी।

बलिगुरु तज्यो कंत ब्रजबनितन्हि, भये मुद मंगलकारी।

नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहां लौं।

अंजन कहां आंखि जेहि फूटै, बहुतक कहौं कहां लौं।

तुलसी सो सब भांति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारो।

जासों हाय सनेह राम-पद, एतोमतो हमारो।।

कविता - विनय के पद

कवि - तुलसीदास

1. कवि के अनुसार हमें किसका त्याग करना चाहिए? [2]
2. उदाहरण देकर लिखिए किन लोगों ने भगवान के प्यार में अपनों को त्यागा। [2]
3. जिस अंजन को लगाने से आँखें फूट जाएँ क्या वो काम का होता है? [3]
4. उपर्युक्त पद द्‌वारा तुलसीदास क्या संदेश दे रहे हैं? [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्‌यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काँकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई बनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय॥
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते ये चाकी भली,पीस खाय संसार॥
सात समंद की मसि करौं, लेखनि सब बरनाय।
सब धरती कागद करौं, हरि गुन लिखा न जाय।।

कविता - साखी

कवि - कबीरदास

1. 'पाहन पूजे हरि मिले' - दोहे का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]
2. "ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय" - पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। [2]
3. कबीर की भाषा पर टिप्पणी कीजिए कीजिए। [3]
4. शब्दों के अर्थ लिखिए : [3]
   - पाहन

- पहार
- मसि
- बनराय
- काँकर
- खुदाय

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गति प्रबल पैरों में भरी
फिर क्यों रहूँ दर दर खड़ा
जब आज मेरे सामने
है रास्ता इतना पड़ा
जब तक न मंज़िल पा सकूँ,
तब तक मुझे न विराम है, चलना हमारा काम है।
कुछ कह लिया, कुछ सुन लिया
कुछ बोझ अपना बँट गया
अच्छा हुआ, तुम मिल गईं
कुछ रास्ता ही कट गया
क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. कवि के पैरों में कैसी गति भरी पड़ी है? [2]
2. कवि दर-दर क्यों खड़ा नहीं होना चाहता? [2]
3. कवि का रास्ता आसानी से कैसे कट गया? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- गति
- प्रबल
- विराम
- मंज़िल
- रास्ता
- बोझ

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जिस कालाग्नि को तूने वर्षों घृत देकर उभारा है, उसकी लपटों में साथी तो स्वाहा हो गए! उसके घेरे से तू क्यों बचना चाहता है? अच्छी तरह समझ ले, ये तेरी आहुति लिए बिना शांत न होगा।

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [2]
2. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [3]
4. 'घृत देकर उभारा है' से क्या तात्पर्य है स्पष्ट करें। [3]

Q. 12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पहाड़ बनने से क्या होगा? राजमहल पर बोझ बनकर रह जाओगी,बोझ! और नदी बनो तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण

करेंगे, आनंद और मंगल तुम्हारे किनारे होंगे, जीवन का प्रवाह होगा, उमंगों की लहरें होंगी, जो उठने में गीत गाएँगी, गिरने में नाच नाचेंगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. यहाँ किसे पहाड़ कहा गया है? क्यों? [2]
2. उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा? इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए। [2]
3. 'तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे' का क्या तात्पर्य है? [3]
4. दीपदान उत्सव का आयोजन किसने और क्यों किया? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है, बेटा।

अरे, खड़ी-खड़ी हमारा मुँह क्या ताक रहो हो? अन्दर जाकर तैयारी क्यों नहीं करती है? बहू की विदा नहीं करनी है क्या?

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता का क्या अभिप्राय है? [2]
2. वक्ता की बेटी के ससुराल वालों के किस काम से उनकी आँखें खुलीं? [2]
3. उपर्युक्त कथन का श्रोता और उसकी बहन पर क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]
4. क्या स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है? अपने विचार लिखिए। [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब लड़का लड़की को देखने आए तो यह समय एक परीक्षा का समय होता है। लड़की के मन में एक अन्तर्द्वन्द्व होता है कि वह इस परीक्षा में पास हो सकेगी या नहीं।

1. दयाराम के घर तैयारियाँ क्यों चल रही थी? [2]
2. दयाराम के घर की तैयारी का वर्णन कीजिए। [2]
3. किसके मन में क्यों अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था? [3]
4. आशा कौन है? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, “आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।” मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके हृदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]
2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]
3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]
4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

आप समाज की इतनी चिंता क्यों करते हैं? क्या करता है यह समाज हमारे लिए?

1. घर में सभी लोग पोस्ट मैन का इंतजार क्यों कर रहे थे? [2]

2. मेरठ से क्या जवाब आया? [2]

3. मीनू के क्या निर्णय लिया? [3]

4. उपर्युक्त कथन का उद्धेश्य स्पष्ट करें। [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. आज-कल लोगों में त्योहारों के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव का बढ़ता जा रहा है इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

   भारत में विभिन्न धर्म विद्‌यमान हैं। इस कारण यहाँ उनसे जुड़े विभिन्न त्योहार विद्‌यमान है। त्योहार या उत्सव हमारे सुख और हर्षोल्लास के

प्रतीक है जो परिस्थिति के अनुसार अपने रंग-रुप और आकार में भिन्न होते हैं। सभी त्योहारों से कोई न कोई पौराणिक कथा अवश्य जुड़ी हुई है और इन कथाओं का संबंध तर्क से न होकर अधिकतर आस्था से होता है। ये त्योहार भारत की एकता, अखंडता और भाईचारे का प्रतीक हैं। ये त्योहार हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक हैं और हमारी पहचान भी हैं। भारत संस्कृति में त्योहारों एवं उत्सवों का आदिकाल से ही काफी महत्त्व रहा है। परंतु आज यह देखकर दुख होता है कि लोग त्योहार के प्रति नीरसता दिखाने लगे है। इसके कई कारण है - आज की जीवनशैली, बढ़ता काम का तनाव, महँगाई आदि।

आज के युग में मनुष्य बहुत अधिक व्यस्त रहता है। उसे समय ही नहीं कि त्योहार के लिए तैयारी करे। इसके अलावा आज महँगाई इतनी बढ़ गई है कि दो वक्त का खाना भी कई लोग मुश्किल से पाते हैं उसमें त्योहार का खर्च कहाँ करेंगे। आज के युग में मनुष्य संयुक्त परिवार में नहीं रहता जिससे भी त्योहार मनाने का उत्साह फीका पड़ जाता है।

2. किसी ‘पुस्तक की आत्मकथा’ लिखें।

बहुत दिनों से अपने मन की दशा किसी के सामने व्यक्त करना चाह रही थी। अच्छा, हुआ जो मैं आपके हाथ लगी। मैं आपको को अपनी आत्मकथा सुनाना चाहती हूँ। मैं आज जिस रूप मैं हूँ, वैसे ही मैं अपने प्रारंभिक रूप में कतई नहीं थी। प्राचीन काल में जब तक मेरा आविष्कार नहीं हुआ था तब तक मौखिक ज्ञान द्वारा ही शिक्षा प्रदान की जाती थी परंतु धीरे-धीरे जब ज्ञान को सुरक्षित रखने की समस्या उत्पन्न हुई तो पेड़ की छालों से बने भोजपत्रों पर लिखना आरंभ हुआ। उसके बाद कागज का आविष्कार हुआ और लोगों ने मुझ पर लिखना आरंभ किया। कवियों, लेखकों, साहित्यकारों, अन्वेषणकर्ताओं आदि द्वारा मुझ पर लिखने के पश्चात मुझे प्रेस में मुद्रण के लिए भेजा जाता है। वहाँ पर छापे खाने में मशीनों के अंदर मुझे असहनीय कष्टों से गुजरना पड़ता है। उसके बाद जिल्द बनाने

वालों हाथों से मुझे गुजरना पड़ता है और इस तरह कई सारी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद में पुस्तक विक्रेताओं के पास पहुँचती हूँ और अंत में आप जैसे पाठकों के हाथ मैं पहुँचती हूँ। पर यहीं पर मेरी कहानी समाप्त नहीं होती है। कुछ अच्छे पाठक होते हैं जो मुझे बेहद संभालकर रखते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो पढ़ने के बाद मुझे कहीं भी कोने में फेंक देते हैं। इन सब अनुभवों से गुजरने के बाद आज मैं आपके हाथ में हूँ। मैं पाठकों से केवल यही कहना चाहती हूँ कि पढ़ने के बाद मुझे फेंके नहीं और न ही फाड़े। यदि वे मुझे पढ़ना न भी चाहते हो तो घर में कहीं संभालकर रख दें या किसी अन्य पुस्तक प्रेमी या जरूरतमंद को दे दें।

3. स्वच्छता हम सभी के लिए लाभदायक है, यदि आपको स्वच्छ भारत अभियान में सहयोग देने के लिए कोई तीन कार्य करने के लिए कहा जाए तो आप किन कार्यो को करना पसन्द करेंगे तथा क्यों? अपने विचारों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता का विशेष महत्व है। स्वच्छता अपनाने से व्यक्ति रोग मुक्त रहता है और एक स्वस्थ राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। अत: हर व्यक्ति को जीवन में स्वच्छता अपनानी चाहिए और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। लोगों व बच्चों को खुले में शौच नहीं जाना चाहिए क्योंकि इससे अनेक बीमारियाँ जैसे हैजा, पेचिस, पोलियों, टाइफाईड जैसी घातक बीमारियाँ फैलती हैं। खाने से पहले हाथों को साबुन से धोने जैसी छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। व्यक्तिगत व सामुदायिक स्तरों पर रोग मुक्त रहने के लिए उचित स्वच्छता बहुत जरूरी है। भारत में, विशेषकर गरीबों व ग्रामीणों में, स्वच्छता की उचित सुविधाएँ न होने के कारण बहुत से रोग होते हैं। लोगों को उचित स्वच्छता सुविधाएँ

उपलब्ध कराकर, इन रोगों की रोकथाम की जा सकती है, तथा कइयों को मरने से बचाया जा सकता है।

किसी भी देश के निर्माण तथा विकास में वहाँ के विद्यार्थी वर्ग का विशेष योगदान होता है।अत: यदि मुझे स्वच्छ भारत अभियान से सहयोग देने के लिए कोई तीन कार्य करने के लिए कहा जाए तो मैं निम्न तीन कार्यों को चुनूँगा ।

1. अपने घर में हर संभव स्वच्छता का ख़याल रखूँगा। हर कार्य की शुरुआत घर से ही होती है अत:मैं अपने घर में सबसे पहले इसकी शुरुआत करना चाहूँगा मैं सबसे पहले अपने से स्वच्छता का ख्याल रखूँगा और घरवालों को भी इसके लिए प्रेरित करूँगा।
2. मैं जहाँ रहता हूँ उस इमारत के आस-पास की स्वच्छता की ओर मोहल्ले वालों का ध्यान आकर्षित करूँगा। मैं अपने इन विचारों का प्रचार और प्रसार करूँगा जिससे मेरे साथ अन्य लोग भी जुड़ें और इस अभियान में अपना सहयोग दें।
3. मैं जिस विद्यालय में पढ़ता हूँ वहाँ पर मैं अपनी कक्षा से इसकी शुरुआत करूँगा। मैं स्वयं न गंदगी होने दूँगा और न करने दूँगा। मैं अपनी कक्षा के सहपाठियों को इसका महत्त्व समझाऊँगा। इस अभियान में मैं अपनी कक्षा-अध्यापक की भी सहायता लूँगा जिससे सभी बच्चे इस अभियान में शामिल हो जाए।

इस तरह स्व च्छ ता की तरफ बढ़ाए गए ये छोटे से कदम पूरे भारत देश को स्वतच्छव बनाने में मदद करेंगें।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : -

'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।'

जीवन में सफलता-असफलता, हानि-लाभ, जय-पराजय के अवसर मौसम के समान है, कभी कुछ स्थिर नहीं रहता। मनुष्य के जीवन में पल-पल परिस्थितियाँ बदलती रहती है। जीवन में कई बार असफलता का सामना करना पड़ता है। असफलता में निराश होने की बजाए उत्साह से कार्य किये जाये तो असफलता को भी सफलता में बदला जा सकता है। अब्राहम लिंकन भी अपने जीवन में कई बार असफल हुए और अवसाद में भी गए, किन्तु उनके साहस और सहनशीलता के गुण ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ सफलता दिलाई। आशावान व्यक्ति के आगे भाग्य भी घूटने टेक देता है।

मुझे आज भी विद्यालय में हमारी शिक्षिका निर्मला वर्मा द्वारा इसी विषय पर सुनाई गई कहानी याद है। हुआ यूँ था कि हमारा फुटबॉल मैच था और हम सभी इसके लिए कुछ ज्यादा ही चिंतित थे। शिक्षिका ने जब हम सब बच्चों को इतना निरुत्साहित देखा तो उन्होंने हमें 1971 में हुए युद्ध की कहानी सुनाई कि किस तरह एक अकेले अफसर ने दुश्मनों से लोहा लिया। उस बहादुर अफसर ने दुश्मनों के दो विमानों को ध्वस्त कर दिया और बाकि बचे चार विमानों को लौटने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने हमें हरिवंशराय बच्चन की चींटी कविता वाली यह पंक्तियाँ भी बताई कि “लहरों के डर से नौका पार नही होती, कोशिश करने वालों की हार नही होती।”

उनकी इस कहानी और कविता की पंक्तियों ने हमारे अन्दर एक नए उत्साह का संचार हुआ और हम दुगुने उत्साह और उस अफसर को याद कर अपनी तैयारी में लग गए। जब भी खिलाड़ी एक-दूसरे से मिलते तो वे यही कहते थे कि नामुमकिन कुछ भी नहीं। खेल का दिन नजदीक आया गया और हम सबने तन-मन से खेल को न केवल खेला बल्कि अच्छे स्कोर से जीत भी लिया।

इस प्रकार कह सकते हैं कि यह उक्ति 'मन के हारे हार है मन के जीते जीत' पूर्णतया सत्य है।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र पल्स पोलियो अभियान का लग रहा है। इस चित्र में पुरुष में एक नन्हें बच्चे को अपनी गोद में थाम रखा है और एक अधेड़ महिला उसे पोलियों की दवाई पिला रही है। पुरुष के कंधे पर उसका अन्य बालक, साथ में पास खड़ी बालिका और कार्ड हाथ में थामे उसकी पत्नी भी है। पोलियो ऐसी बीमारी है जिसका कोई उपचार नहीं हो सकता। इसे केवल मुँह द्वारा दिये जानेवाले वैक्सिन यानी ओपीवी से रोका जा सकता है। इस ओरल पोलियो वैक्सिन या ओपीवी का विकास 1961 में डॉ अल्बर्ट सैबिन ने किया था।

संयुक्त राष्ट्र ने 1988 में विश्व को पोलियो मुक्त करने का अभियान आरंभ किया था। भारत में दिल्ली सरकार में 1993 से 1998 तक स्वास्थ्य मंत्री रहने के दौरान डॉ हर्षवर्धन ने दिल्ली में पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत की थी। यह 1995 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना में शामिल होकर देशव्यापी अभियान में परिणत हुआ।

भारत का स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और रोटरी इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं ने इनमें अहम भूमिकाएँ निभायीं। इसके अलावा अनेक नेता, मंत्री, कलाकार, खिलाड़ी, नामचीन लोगों ने इसका प्रचार किया। इस दौरान 'दो बूंद जिंदगी की' वाकई एक मुहावरे की तरह सबकी जुबान पर रहता था। स्थानीय स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने भी इसमें भूमिका निभायीं और सामाजिक संगठनों ने भी। यदि पूरा देश इसमें एक होकर नहीं लगता, तो हम आज इस स्थिति में नहीं पहुँचते।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

   28, नटेशन स्ट्रीट
   विजय नगर
   नई दिल्ली
   दिनाँक : 15 अप्रैल, 20

   सेवा में
   मुख्य अधिकारी
   नगर निगम
   नई दिल्ली

   विषय - अपने क्षेत्र की सड़कों की दुव्र्यवस्था

   महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं विजय नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, जिसमें पानी भर जाने की वजह से मच्छर बढ़ की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। सड़क दुर्घटना भी बढ़ने लगी है।

आशा है कि आप इस समस्या पर गौर करेंगे और शीघ्र ही आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

किशोर सान्याल

2. रुपये मँगवाने के लिए पिताजी को पत्र लिखिए।

कमरा नं 221

छात्रावास

नव विद्या मंदिर

नई दिल्ली -110022

दिनाँक -3/05 /2013

पूज्य पिता जी

सादर प्रणाम

आपका पत्र प्राप्त हुआ। सभी की कुशलता जानकर प्रसन्नता हुई। मैं मन लगाकर पढ़ाई कर रहा हूँ। अर्धवार्षिक परीक्षा में मुझे 90 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मैं वार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना चाहता हूँ। मुझे कुछ सहायक पुस्तकों की आवश्यकता है तथा अगले महीने शुल्क भी जमा करना है। इस सबके लिए मुझे 3000 रुपये की आवश्यकता है। आप कृपया उक्त राशि भिजवा दें। मैं पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखता हूँ। दीदी व माताजी को प्रणाम। शेष कुशल।

आपका पुत्र

अभिषेक

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बंदर झाड़ियों के अंदर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घंटा बजाते।

घंटे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफवाह फैल गयी के जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकडियाँ न लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हजारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगंबर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया। इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत-प्रेत, चंडी-मुंडी, पीर-पैगंबर, जादू-टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता

था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ में घंटा न पड़ गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा। अंदर जाकर देखा, तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, "भाइयो ! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।" नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकटठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने में लगे, उधर उसने घंटा उठा कर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बड़ा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोडा़। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।
इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम मे पड़कर मनुष्य ने भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है। मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अत: यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

1. नगर में क्या अफवाह फैल गई थी और इस अफवाह का क्या कारण था?
   उत्तर : नगर में यह अफवाह फैल गई थी कि जंगल में एक 'घंटाकरण नाम भूत रहता है। उसके कान घंटे के समान हैं। जब वह हिलता है, तो उसके कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह का कारण यह था कि एक बंदर के हाथ में घंटा आ गया था। जब वह हिलता है, तो उसके कानो से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह का कारण यह था कि एक बंदर के हाथ में घंटा आ गया था। जब

वह उसे बजाता था, तो लोगों को घंटाकरण भूत का भ्रम हो जाता था।

2. जंगल किसकी राजधानी बन गया था? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पडा?

   उत्तर : जंगल किसी कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया था। नगर निवासी भयभीत हो गए थे। लकडहारे जंगल से लकडी नहीं लाते थे और चरवाहे पशुओं को चराने वहाँ नहीं जाते थे, इस प्रकार से सारे आवश्यक कार्य ठप्प हो गए थे।

3. राजा की चिंता का क्या कारण था? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए?

   उत्तर : राजा की चिंता का यह कारण था कि जंगल से होने वाली हजारों रुपए की सालाना आमदनी बंद हो गई थी। भयवश कोई भी जंगल में नहीं जाता था तथा जंगल के सारे कार्य रुक गए थे।

   जंगल से भूत को भगाने के लिए मुस्लिमों ने कुरान का पाठ किया, पीर-पैगंबर को मनाया गया, भैरों तथा काली माता को भी मनाया गया, जादू-टोना किया गया, पर कोई भी सफल न हुआ। पंडितों ने चंडी कर जाप तथा हनुमान चालीसा का पाठ किया।

4. चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई?

   उत्तर : चतुर मनुष्य का स्पष्ट मत था कि जंगल में कोई भूत हो ही नहीं सकता, क्योंकि भूत केवल कल्पना में होते हैं। उसका अनुमान था कि या तो यह किसी डाकू का षडयंत्र है या फिर किसी बंदर के हाथ में घंटा आ गया है। उसने साधु के वेश में जंगल में जाकर

बंदर की बात को सत्य पाया। उसने बहुत सारे चने ले जाकर जंगल में बिखेर दिए। जब बंदर चने खाने लगे, तो उसने घंटा उठा लिया और नगरवासियों को भूत के भ्रम से मुक्ति दिलाई।

5. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली?

उत्तर : प्रस्तुत गद्यांश से हमें यह शिक्षा मिली कि हमें अंधविश्वासी नहीं होना चाहिए। जनता में जागरूकता लानी चाहिए ताकि वे ऐसे अंध विश्वास से बचे।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - कुल - कुलीन
   - वर्ष - वार्षिक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - आँख - दृग, लोचन,
   - गृह - धर, सदन

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - उपकार - अपकार
   - कृतज्ञ - कृतध्न

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - ईमान - ईमानदारी
   - अहं - अहंकार

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
मन नहीं लगना, राहत की साँस लेना
1. विद्यार्थी ने किताब खोली, पर पढ़ने में उसका <u>मन नहीं लग रहा था।</u>
2. सालभर की आय पर ईमानदारी से आयकर भरकर रमेश ने <u>राहत की साँस ली</u>।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]
1. पढ़ने-लिखने में अमर इतना तेज नहीं था। (तेज के स्थान पर मंदबुद्धि का प्रयोग कीजिए)
उत्तर : पढ़ने-लिखने में अमर मंदबुद्धि नहीं था।

2. अब बच्चे घर पहुँचे। (वचन बदलिए)
उत्तर : अब बच्चा घर पहुँचा।

3. कल आप कहाँ गया था। (वाक्य शुद्ध कीजिए)
उत्तर : कल आप कहाँ गए थे।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पहले तो रसीला छिपाता रहा।फिर रमजान ने कहा, "कोई बात नहीं है,तो खाओ सौगंध।"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. उपर्युक्त वाक्य के वक्ता तथा श्रोता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त वाक्य का वक्ता ज़िला मजिस्ट्रेट शेख सलीमुद्दीन का चौकीदार मियाँ रमजान हैं और वक्ता उनके पड़ोसी इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर रसीला है। दोनों बड़े ही अच्छे मित्र थे।

2. वक्ता श्रोता को सौगंध खाने के लिए क्यों कहता है? [2]

उत्तर : एक दिन रमजान ने रसीला को बहुत ही उदास देखा। रमजान ने अपने मित्र रसीला की उदासी का कारण जानना चाहा परंतु रसीला उससे छिपाता रहा तब रमजान ने उसकी उदासी का कारण जानने के लिए उसे सौगंध खाने के लिए कहा।

3. श्रोता की उदासी का कारण क्या था? [3]

उत्तर : श्रोता रसीला का परिवार गाँव में रहता था। उसके परिवार में बूढ़े पिता, पत्नी और तीन बच्चे थे। इन सबका भार उसी के कंधों पर था और रसीला को मासिक तनख्वाह मात्र दस रुपए मिलती थी पूरे पैसे भेजने के बाद भी घर का गुजारा नहीं हो पाता था उसपर गाँव से ख़त आया था कि बच्चे बीमार है पैसे भेजो। रसीला के पास गाँव भेजने के लिए पैसे नहीं थे और यही उसकी उदासी का कारण था।

4. वक्ता ने श्रोता की परेशानी का क्या हल सुझाया? [3]

उत्तर : वक्ता ने श्रोता की परेशानी का यह हल सुझाया कि वह सालों से अपने मालिक के यहाँ काम कर रहा है तो वह अपने मालिक से कुछ रुपए पेशगी के क्यों नहीं माँग लेता।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions thatfollow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"लेकिन भाई ! एक बात समझ नहीं आई।" हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, "नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?"

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से क्या तात्पर्य है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से तात्पर्य नेताजी के बार-बार बदलने वाले फ्रेम से है। मूर्तिकार ने नेताजी की मूर्ति बनाते समय चश्मा नहीं बनाया था। नेताजी बिना चश्मे के यह बात एक गरीब देशभक्त चश्मेवाले कैप्टन को पसंद नहीं आती थी इसलिए वह नेताजी की मूर्ति पर उसके पास उपलब्ध फ्रेमों से एक फ्रेम लगा देता था।

2. मूर्तिकार कौन था और उसने मूर्ति का चश्मा क्यों नहीं बनाया था? [2]

उत्तर : मूर्तिकार उसी कस्बे के स्थानीय विद्यालय का मास्टर मोतीलाल था। मूर्ति बनाने के बाद शायद वह यह तय नहीं कर पाया होगा कि पत्थर से पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाये या फिर उसने पारदर्शी चश्मा बनाने की कोशिश की होगी मगर उसमें असफल रहा होगा।

3. कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। [3]

उत्तर : पानवाले ने कैप्टन को लँगड़ा तथा पागल कहा है। जो कि अति गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण वक्तव्य है। कैप्टन में एक सच्चे देशभक्त के वे सभी गुण मौजूद हैं जो कि पानवाले में या समाज के अन्य किसी वर्ग में नहीं है। वह भले ही लँगड़ा है पर उसमें इतनी शक्ति है कि वह कभी भी नेताजी को बग़ैर चश्मे के नहीं रहने देता है। अत: कैप्टन पानवाले से अधिक सक्रिय तथा विवेकशील तथा देशभक्त है।

4. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? [3]

उत्तर : चश्मेवाला कभी सेनानी नहीं रहा परन्तु चश्मेवाला एक देशभक्त नागरिक था। उसके हृदय में देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान था। वह अपनी ओर से एक चश्मा नेताजी की मूर्ति पर अवश्य लगाता था उसकी इसी भावना को देखकर लोग उसे कैप्टन कहते थे।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अजी ये पहाड़ी बड़े शैतान होते हैं। बच्चे-बच्चे में अवगुण छिपे रहते हैं-आप भी क्या अजीब हैं उठा लाए कहीं से-लो जी यह नौकर लो।"

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. उपर्युक्त अवतरण में किस की बात की जा रही है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण में एक दस-बारह वर्षीय पहाड़ी बालक की बात की जा रही है।

2. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन के वक्ता लेखक के वकील मित्र हैं और साथ ही होटल के मालिक भी हैं।

3. लेखक उस बच्चे को वकील साहब के पास क्यों ले गए? [3]

उत्तर : लेखक को रास्ते में एक दस-बारह वर्षीय बालक मिला जिसके पास कोई काम और रहने की जगह नहीं थी। लेखक के एक वकील मित्र थे जिन्हें अपने होटल के लिए एक नौकर की आवश्यकता थी इसलिए लेखक उस बच्चे को वकील साहब के पास ले गए।

4. वकील साहब उस बच्चे को नौकर क्यों नहीं रखना चाहते थे? [3]

उत्तर : वकील उस बच्चे को नौकर इसलिए नहीं रखना चाहते थे क्योंकि वे और लेखक दोनों ही उस बच्चे के बारे में कुछ जानते नहीं थे। साथ ही वकील साहब को यह लगता था कि पहाड़ी बच्चे बड़े शैतान और अवगुणों से भरे होते हैं। यदि उन्होंने ने किसी ऐरे गैरे को नौकर रख लिया और वह अगले दिन वह चीजों को लेकर चंपत हो गया तो। इस तरह भविष्य में चोरी की आशंका के कारण वकील साहब ने उस बच्चे को नौकरी पर नहीं रखा।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जाके प्रिय न राम वैदेही
तजिए ताहि कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही।
सो छोड़िये
तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषन बंधु, भरत महतारी।
बलिगुरु तज्यो कंत ब्रजबनितन्हि, भये मुद मंगलकारी।
नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहां लौं।
अंजन कहां आंखि जेहि फूटै, बहुतक कहौं कहां लौं।
तुलसी सो सब भांति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारो।
जासों हाय सनेह राम-पद, एतोमतो हमारो।।

कविता - विनय के पद

कवि - तुलसीदास

1. कवि के अनुसार हमें किसका त्याग करना चाहिए? [2]

उत्तर : कवि के अनुसार जिन लोगों के प्रिय राम-जानकी जी नहीं है उनका त्याग करना चाहिए।

2. उदाहरण देकर लिखिए किन लोगों ने भगवान के प्यार में अपनों को त्यागा। [2]

उत्तर : प्रह्लाद ने अपने पिता हिरण्यकशिपु को, विभीषण ने अपने भाई रावण को, बलि ने अपने गुरु शुक्राचार्य को और ब्रज की गोपियों ने अपने-अपने पतियों को भगवान प्राप्ति को बाधक समझकर त्याग दिया।

3. जिस अंजन को लगाने से आँखें फूट जाएँ क्या वो काम का होता है? [3]

उत्तर : नहीं जिस अंजन को लगाने से आँखें फूट जाएँ वो किसी काम का नहीं होता है।

4. उपर्युक्त पद द्वारा तुलसीदास क्या संदेश दे रहे हैं? [3]

उत्तर : उपर्युक्त पद द्वारा तुलसीदास श्री राम की भक्ति का संदेश दे रहे है। तथा भगवान प्राप्ति के लिए त्याग करने को भी प्रेरित कर रहे हैं।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काँकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई बनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय॥
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।

ताते ये चाकी भली,पीस खाय संसार॥
सात समंद की मसि करौं, लेखनि सब बरनाय।
सब धरती कागद करौं, हरि गुन लिखा न जाय।।

कविता - साखी

कवि - कबीरदास

1. 'पाहन पूजे हरि मिले' - दोहे का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : इस दोहे द्वारा कवि ने मूर्ति-पूजा जैसे बाह्य आडंबर का विरोध किया है। कबीर मूर्ति पूजा के स्थान पर घर की चक्की को पूजने कहते है जिससे अन्न पीसकर खाते है।

2. "ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय" - पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में कबीरदास ने मुसलमानों के धार्मिक आडंबर पर व्यंग्य किया है। एक मौलवी कंकड़-पत्थर जोड़कर मस्जिद बना लेता है और रोज़ सुबह उस पर चढ़कर ज़ोर-ज़ोर से बाँग (अजान) देकर अपने ईश्वर को पुकारता है जैसे कि वह बहरा हो। कबीरदास शांत मन से भक्ति करने के लिए कहते हैं।

3. कबीर की भाषा पर टिप्पणी कीजिए कीजिए। [3]

उत्तर : कबीर साधु-सन्यासियों की संगति में रहते थे। इस कारण उनकी भाषा में अनेक भाषाआँ तथा बोलियों के शब्द पाए जाते हैं। कबीर की भाषा में भोजपुरी, अवधी, ब्रज, राजस्थानी, पंजाबी, खड़ी बोली, उर्दू और फ़ारसी के शब्द घुल-मिल गए हैं। अत: विद्वानों ने उनकी भाषा को सधुक्कड़ी या पंचमेल खिचड़ी कहा है।

4. शब्दों के अर्थ लिखिए : [3]

- पाहन - पत्थर
- पहार - पहाड़
- मसि - स्याही
- बनराय - वन
- काँकर - कंकड़
- खुदाय - ईश्वर

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गति प्रबल पैरों में भरी
फिर क्यों रहूँ दर दर खड़ा
जब आज मेरे सामने
है रास्ता इतना पड़ा
जब तक न मंज़िल पा सकूँ,
तब तक मुझे न विराम है, चलना हमारा काम है।
कुछ कह लिया, कुछ सुन लिया
कुछ बोझ अपना बँट गया
अच्छा हुआ, तुम मिल गईं
कुछ रास्ता ही कट गया
क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. कवि के पैरों में कैसी गति भरी पड़ी है? [2]

उत्तर : कवि के पैरों में प्रबल गति भरी पड़ी है।

2. कवि दर-दर क्यों खड़ा नहीं होना चाहता? [2]

उत्तर : कवि के पैरों में प्रबल गति है, तो फिर उसे दर-दर खड़ा होने की क्या आवश्यकता है।

3. कवि का रास्ता आसानी से कैसे कट गया? [3]

उत्तर : कवि को रस्ते में एक साथिन मिल गई जिससे उसने कुछ कह लिया और कुछ उसकी बातें सुन लीं जिसके कारण उसका बोझ कुछ कम हो गया और रास्ता आसानी से कट गया।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- गति - चाल
- प्रबल - रफ्तार
- विराम - आराम
- मंज़िल - लक्ष्य
- रास्ता - मार्ग
- बोझ - भार

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जिस कालाग्नि को तूने वर्षों घृत देकर उभारा है, उसकी लपटों में साथी तो स्वाहा हो गए! उसके घेरे से तू क्यों बचना चाहता है? अच्छी तरह समझ ले, ये तेरी आहुति लिए बिना शांत न होगा।

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने उत्तर दिया कि वह सभी बातों को भली-भाँति जानता है लेकिन वह थककर चूर हो चुका है। उसकी सेना भी तितर-बितर हो गई है, उसका कवच फट गया है और उसके सारे शस्त्रास्त्र चूक गए हैं। उसे समय चाहिए और उसने भी पांडवों को तेरह वर्ष का समय दिया था।

2. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन भीम का है। प्रस्तुत कथन का संदर्भ दुर्योधन को सरोवर से बाहर निकालने का है। दुर्योधन महाभारत के युद्ध में घायल हो जाता है और भागकर द्‌वैतवन के सरोवर में छिप जाता है। वह उसमें से बाहर नहीं निकलता है। तब उसे सरोवर से बाहर निकालने के लिए भीम उसे उपर्युक्त कथन कहकर ललकारता है।

3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने उत्तर दिया कि वह सभी बातों को भली-भाँति जानता है लेकिन वह थककर चूर हो चुका है। उसकी सेना भी तितर-बितर हो गई है, उसका कवच फट गया है और उसके सारे शस्त्रास्त्र चूक गए हैं। उसे समय चाहिए और उसने भी पांडवों को तेरह वर्ष का समय दिया था।

4. 'घृत देकर उभारा है' से क्या तात्पर्य है स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : घृत उभारा है से तात्पर्य दुर्योधन की ईर्ष्या से है। भीम दुर्योधन से कहता है कि वर्षों से तुमने इस ईर्ष्या का बीज बोया है तो

अब फसल तो तुम्हें ही काटनी होगी। कितनों को उसने इस ईर्ष्या रूपी अग्नि में जलाया है लेकिन आज स्वयं उन आग की लपटों से बचना चाहता है।

Q. 12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पहाड़ बनने से क्या होगा? राजमहल पर बोझ बनकर रह जाओगी,बोझ! और नदी बनो तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे, आनंद और मंगल तुम्हारे किनारे होंगे, जीवन का प्रवाह होगा, उमंगों की लहरें होंगी, जो उठने में गीत गाएँगी, गिरने में नाच नाचेंगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. यहाँ किसे पहाड़ कहा गया है? क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ धाय माँ पन्ना को पहाड़ कहा गया है क्योंकि उनमें ईमानदारी और देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी है। जैसे एक पहाड़ अपने देश की सुरक्षा करता है वैसे ही पन्ना धाय भी अपने स्वर्गीय राजा के उत्तराधिकारी कुँवर उदय सिंह की रक्षा के लिए पहाड़ बनकर खड़ी है।

2. उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा? इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन रावल सरूप सिंह की पुत्री सोना ने धाय माँ पन्ना से कहा। इसका अर्थ यह है कि धाय माँ पन्ना बनवीर सिंह के साथ मिल जाए तथा अपने कर्तव्य कुँवर उदयसिंह की रक्षा से मुँह मोड़ ले।

3. 'तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे' का क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है।

4. दीपदान उत्सव का आयोजन किसने और क्यों किया? [3]

उत्तर : दीपदान उत्सव उत्सव का आयोजन महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर ने किया जिसे राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया था। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है, बेटा।

अरे, खड़ी-खड़ी हमारा मुँह क्या ताक रहो हो? अन्दर जाकर तैयारी क्यों नहीं करती है? बहू की विदा नहीं करनी है क्या?

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता का क्या अभिप्राय है? [2]

उत्तर : 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता जीवन लाल का यह अभिप्राय है कि बहू भी बेटी होती है और इस बात का उन्हें अहसास हो गया है।

2. वक्ता की बेटी के ससुराल वालों के किस काम से उनकी आँखें खुलीं? [2]

उत्तर : वक्ता जीवन लाल अपनी बेटी गौरी के ससुरालवालों को दहेज देने के बावजूद उसके ससुराल वालों ने उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल की आँखें खुलीं।

3. उपर्युक्त कथन का श्रोता और उसकी बहन पर क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन को सुनकर प्रमोद मुस्करा कर अपने जीजा रमेश की ओर देखने लगा तथा उसकी बहन कमला खुशी के आँसू पोंछती हुई अंदर चली गई।

4. क्या स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है? अपने विचार लिखिए। [3]

उत्तर : जी हाँ, स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है। शिक्षा से बेटियाँ खुद आत्मनिर्भर बनेंगी। समाज में बेटा-बेटी का फर्क मिट जाएगा तथा वे अपने अधिकार एंव अत्याचारों के प्रति सजग रहेंगी।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब लड़का लड़की को देखने आए तो यह समय एक परीक्षा का समय होता है। लड़की के मन में एक अन्तर्द्वन्द्व होता है कि वह इस परीक्षा में पास हो सकेगी या नहीं।

1. दयाराम के घर तैयारियाँ क्यों चल रही थी? [2]

उत्तर : दयाराम की बेटी मीनू का फोटो लड़के वालों को पसंद आ गया था और वे आज लड़की को देखने आने वाले थे इसलिए दयाराम के घर तैयारियाँ चल रही थी।

2. दयाराम के घर की तैयारी का वर्णन कीजिए। [2]

उत्तर : घर की सारी चीजें झाड़ पोंछकर यथा स्थान लगा दी गई थीं। अपनी हैसियत के अनुसार बैठक के कमरे को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया था। घर में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के अलावा बाज़ार से भी कई प्रकार की मिठाईयाँ लाई गई थीं। सब बेसब्री से मेहमानों का इंतजार कर रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके घर कोई देवता आने वाले हैं।

3. किसके मन में क्यों अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था? [3]

उत्तर : मीनू के मन में लड़के वालों को लेकर अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था। मीनू साधारण सी सांवली लड़की थी और इस रिश्ते से पूर्व अनेक बार अपने रंग के कारण ठुकराई जा चुकी थी और वैसे भी लड़का लड़की देखते समय लड़की के मन में यह अन्तर्द्वन्द्व तो चलता ही रहता है कि क्या वह इस परीक्षा को पास कर लेगी।

4. आशा कौन है? [3]

उत्तर : आशा मीनू की छोटी बहन है। वह दिखने में अपनी बहन मीनू से कई ज्यादा सुंदर थी।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके ह्रदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

उत्तर : नवयुवक अमित है। ये वही है जो कुछ दिनों पहले मीनू देखने के लिए आया था और उसका रिश्ता यह कहकर ठुकराया था कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आ गई थी।

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

उत्तर : मीनू अपने सामने अमित को देखकर चौंक गई। मीनू ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसी दिन अमित से उसका सामना इस तरह होगा।

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

उत्तर : अमित ने जब मीनू की प्रशंसा की तो वह खुश नहीं हुई क्योंकि अमित वही लड़का था जिसने कुछ दिनों पूर्व उसका रिश्ता ठुकराया था।

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर अमित ने मीनू जैसी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकराकर उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी। मीनू पढ़ी-लिखी गुणी लड़की थी परंतु अमित के माता-पिता ने अमीर लड़की का रिश्ता आने के कारण उसके रिश्ते को यह कहकर ठुकराया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आई है जबकि वास्तव में वे धनीमल की बेटी सरिता से अमित का विवाह करवाना चाहते थे।

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

आप समाज की इतनी चिंता क्यों करते हैं? क्या करता है यह समाज हमारे लिए?

1. घर में सभी लोग पोस्ट मैन का इंतजार क्यों कर रहे थे? [2]

उत्तर : मीनू को देखने के लिए लड़के वाले आए थे और उन्होंने घर जाकर पत्र के द्वारा रिश्ते की हाँ या ना का जवाब भेजने को कहा था। इसलिए घर के सभी सदस्य पोस्ट मैन का इंतजार कर रहे थे।

2. मेरठ से क्या जवाब आया? [2]

उत्तर : मेरठ से यह ज़वाब आया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन आशा पसंद है यदि वे अपनी छोटी बेटी का विवाह अपनी बड़ी बेटी के विवाह से पहले अमित से करवाने के लिए राजी हैं तो बात आगे बढ़ सकती है।

3. मीनू के क्या निर्णय लिया? [3]

उत्तर : मेरठ से जब मीनू के रिश्ते के बदले उसकी छोटो बहन का प्रस्ताव आया तो मीनू यह बात अच्छे से समझ गई कि उसे नापसंद किया गया है उसमें हीन भावना और बढ़ गई और उसने निर्णय ले लिया कि वह विवाह नहीं करेगी।

4. उपर्युक्त कथन का उद्धेश्य स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : मीनू ने जब अपने विवाह न करने का निर्णय लिया और अपने पिता से कहा कि वे छोटी बहन का रिश्ता अमित के साथ कर दें। इस पर पिताजी गुस्सा हो जाते हैं और मीनू से कहते हैं कि उन्हें इस बात पर समाज क्या कहेगा। तब मीनू इस बात का उत्तर देते हर प्रस्तुत कथन कहती है कि वे किस समाज की बात कह रहे हैं। यह वही समाज है जो इस प्रकार की परिस्थिति उनके सामने उपस्थित कर रहा है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि कई बार समाज के कारण ही हमें कई अनचाहे निर्णय लेने पड़ते हैं।